<u>न्यायालय सिविल जज (जू०डि०), रामसनेहीघाट, कोर्ट नं०-14, बाराबंकी।</u>

मूलवाद संख्या-360/1999

CNR No. UPBB18000071999

गया प्रसाद बनाम गुरचरन आदि।

<u>24.02.2025</u>

पत्रावली पेश हुई। पुकार पर वादीजन उपस्थित। प्रतिवादीजन अनुपस्थित। प्रतिवादीजन को उपस्थिति हेतु पर्याप्त अवसर दिया गया परन्तु वे पत्रावली पर उपस्थित नहीं आए जिस कारण दिनांक 19.07.2024 को उक्त वाद एकपक्षीय रूप से अग्रसारित किया जा चुका है। वादीजन को प्रार्थना पत्र ग-99 पर एकपक्षीय रूप से सुना गया।

वादी द्वारा प्रार्थना पत्र ग-99 अन्तर्गत धारा 151 जा०दी० मय शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह कथन किया गया है कि उक्त वाद में प्रतिवादी सं० 1/1 व ¼ की मृत्यु हो गयी है, जिनकी जानकारी तारीख मृत्यु व कायम मुकामान की वादी को नहीं थी न आज तक हुई है। दिनांक 07.02.2024 को ग-95 प्रार्थना पत्र न्यायालय श्रीमान जी में इस आशय का दिया गया था कि प्रतिवादी तारीख मृत्यु व कायम मुकामान के बारे में जानकारी दे, जिससे प्रार्थी प्रार्थना पत्र कायम मुकामी दे सकें परन्तु न्यायालय पर बार-बार कहने पर भी आज तक जानकारी प्रतिवादी ने नहीं दी। उपरोक्त वाद की पैरवी प्रतिवादी सं० 1/2 व 1/3 करते है। प्रतिवादी सं० 1/1 प्रतिवादी सं० 1/2 व 1/3 की मां है और प्रतिवादी सं० 1/4 प्रतिवादी सं० 1/2 व 1/3 की बहन है। प्रतिवादी सं० 1/2 व 1/3 बराबर मुकदमें की पैरवी कर रहे हैं। मुकदमें पर कायम मुकाम न बनने से कोई असर नहीं पड़ता है। इन हालात में प्रतिवादी सं० 1/1 व ¼ के विरूद्ध अबेटमेन्ट किया जाना आवश्यक है। अतः श्रीमान जी से प्रार्थना है कि प्रतिवादी सं० 1/1 व ¼ के विरूद्ध अबेटमेंट का आदेश या न्यायालय जो मुनासिब समझे आदेश पारित करने की कृपा की जावे।

प्रतिवादीजन अनुपस्थित।

सुना व पत्रावली का अवलोकन किया।

पत्रावली के अवलोकन से विदित है कि वादी द्वारा प्रतिवादी सं० 1/1 व ¼ के विरूद्ध वाद को अबेट किये जाने की याचना की गयी है। उपरोक्त वाद दिनांक 19.07.2024 को उक्त वाद एकपक्षीय रूप से अग्रसारित किया जा चुका है। चूंकि वादी स्वयं अपने वाद का स्वामी होता है। अतः गुण-दोष के आधार पर न्यायहित में प्रार्थना पत्र ग-99 स्वीकार किये जाने योग्य है।

<u>आदेश</u>

प्रार्थना पत्र ग-99 स्वीकार किया जाता है। उक्त वाद प्रतिवादी सं० 1/1 व ¼ के विरूद्ध अबेट किया जाता है।

पत्रावली वास्ते अग्रिम कार्यवाही दिनांक 12.03.2025 को पेश हो।

(डॉ० प्रीति भास्कर)

सिविल जज (जू०डि०), रामसनेहीघाट

न्यायालय संख्या–14, बाराबंकी।